

Report of Equal Opportunity Cell (2021-22)



**Mehr Chand Mahajan DAV
College for Women**

Sector-36, Chandigarh

www.mcmdavcwchd.edu.in

Equal Opportunity Cell Report (JULY 2021-JUNE 2022)

Activity1 : Webinar on ‘Get The Lump Out of Your Throat Through Creative Writing’

Equal Oppurtunity Cell in collaboration with Personality Development Club of Mehr Chand Mahajan DAV College for Women, Chandigarh organized an online interactive session on **‘Get The Lump Out of Your Throat Through Creative Writing’** on 27th October 2021. Ms. Suditi Jindal, Resource Person (Life Coach and Founder of PHILYRA Training and Consultancy) elaborated in detail how creative writing can help in scientific understanding of minds and personality. She also gave few valuable tips to develop emotional skills by applying art of creative writing. The session witnessed an enthusiastic participation from over 100 students of various streams. Students were able to connect how creative writing channelizes ones’ energy and leads to problem solving abilities. It made them understood how learning new skills from creative writing can enhance skills within us from time to time so that it ends up enhancing our personality in the long run. Principal Dr. Nisha Bhargava expressed appreciation for this session and encouraged the students to use creative writing in their lives so as to develop problem solving abilities.

Session held on Creative Writing

The Aman Sandesh Times Network

Chandigarh: The Personality Development Club and Equal Opportunity Cell of Mehr Chand Mahajan DAV College for Women, Chandigarh organised an online interactive session titled 'Get The Lump Out of Your Throat Through Creative Writing'.

Ms. Suditi Jindal, Life Coach and Founder of PHILYRA Training and Consultancy, was the resource person for this enlightening session and she elaborated on how creative writing can help in scientific understanding of mind and personality.

Shedding light on the role of creative writing in enhancing the



skills within oneself and thereby enhancing one's personality, Ms. Jindal shared valuable tips to develop emotional skills by applying the art of creative writing. The session provided insights into how creative writing channelises

ones' energy and leads to problem solving abilities. Over 100 students from various streams participated enthusiastically in the session.

Principal Dr. Nisha Bhargava expressed appreciation for this endeavour of Personality Development Club and Equal Opportunity Cell. She further motivated the students to use creative writing in their lives so as to develop problem solving abilities and shape their personalities.

एमसीएम में रचनात्मक लेखन पर सत्र आयोजित

स्टेट समाचार/चंडीगढ़। मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर विमेन, चंडीगढ़ के पर्सनललिटी डिवेलपमेंट क्लब और ईक्वल ऑपच्युनिटी सेल ने 'गेट द लम्प आउट ऑफ योर थ्रोत थ्रू क्रिएटिव राइटिंग' शीर्षक से एक ऑनलाइन इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन किया। सुश्री सुदिति जिंदल, लाइफ कोच और फिल्ट्रा ट्रेनिंग एंड कंसल्टेंसी की संस्थापक, इस ज्ञानवर्धक सत्र की प्रमुख वक्ता थीं। सुश्री जिंदल ने विस्तार से बताया कि कैसे रचनात्मक लेखन मन और व्यक्तित्व की वैज्ञानिक समझ में मदद कर सकता है। व्यक्ति के भीतरी कौशल को बढ़ाने और व्यक्तित्व के विकास में रचनात्मक लेखन की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए, सुश्री जिंदल ने रचनात्मक लेखन के माध्यम से भावनात्मक कौशल विकसित करने के लिए बहुमूल्य सुझाव साझा किए। इस सत्र ने रचनात्मक लेखन लोगों की ऊर्जा का सही उपयोग करता है विषय पर अंतर्दृष्टि प्रदान की और समस्या निवारण क्षमताओं का भी विकास किया। सत्र में विभिन्न संकायों के 100 से अधिक छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्राचार्या डॉ. निशा भागवत ने पर्सनललिटी डिवेलपमेंट क्लब और ईक्वल ऑपच्युनिटी सेल के इस प्रयास की सराहना की। उन्होंने छात्रों को अपने जीवन में रचनात्मक लेखन का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया ताकि समस्या समाधान क्षमताओं को विकसित किया जा सके और उनके व्यक्तित्व को आकार दिया जा सके।

Activity 2: National Online Workshop On “Diversity Sensitization: Issues and Challenges”

Equal Opportunity Cell in collaboration with the Foreign Students Cell and of Mehr Chand Mahajan DAV College for Women, Chandigarh, under the aegis of IQAC cell organized a National Online Workshop On “Diversity Sensitization: Issues and Challenges” on 22nd March, 2022. The Resource Person of the workshop was Prof. Abha Chauhan, Department of Sociology, University of Jammu and President of Indian Sociological Society and about 145 participants joined and benefitted from the workshop on Google meet. In this workshop Prof. Abha Chauhan highlighted the various issues and challenges in Diversity Sensitization. She mentioned that when it comes to countries like India, the issue of diversity takes different connotations as India is touted as one of the most diverse nations in the world. She elaborated by explaining that diversity means that by merely saying that every individual is different is not enough, but one must tolerate others, understand the humanity, culture and learn to live in harmony with natural environment. One must exercise the practice of mutual respect and find the ways

of knowing and including each other. She stressed that communal harmony is the key word, whereas peaceful society makes the better relations and strengthen the nation. She also pointed towards the violence that mainly leads to economic inequalities, job loses, migration and damage. We have to be sensitive that violence may harm others and one is accountable to maintain better life and better society for others which will make a peaceful Nation.

She further added that for a better society, we need to unload everything that we have learnt before, particularly in context of gender discrimination and new things to be learnt, where, men should be sensitive about the rights of women including property right. The session was overall concluded with breaking of stereotype. Principal Dr. Nisha Bhargava expressed appreciation for this endeavor and she added that such initiatives are crucial for the holistic development of the students.

Mehr Chand Mahajan
DAV College for Women
Sector 36-A, Chandigarh (U.T.)

75
Azadi Ka
Amrit Mahotsav

Foreign Students Cell and Equal Opportunity Cell
Under the aegis of
Internal Quality Assurance Cell (IQAC)
are organizing
National workshop on
**DIVERSITY SENSITIZATION:
ISSUES AND CHALLENGES**

Date: 22 March 2022
Timings: 10:00 am to 11:30 am

Resource Person
Prof Abha Chauhan
Department of Sociology
University of Jammu
&
President
Indian Sociological Society

Prior registration is mandatory. Click the following link to register [CLICK HERE](#)

Dr. Raman Deep Kaur Dr. Sonica Coordinators	Dr. Bindu Dogra Ms. Nidhi Sharma Co-Conveners	Dr. Bindu Sharma Coordinator-IQAC	Dr. Visha Sharma Chief Coordinator IQAC	Dr. Nisha Bhargava Convener & Principal
---	---	--------------------------------------	---	--



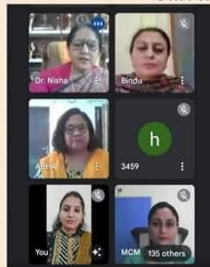
MEHR CHAND MAHAJAN DAV COLLEGE FOR WOMEN, CHANDIGARH
NATIONAL ONLINE WORKSHOP ON DIVERSITY SENSITISATION



Dr. Nisha Bhargava
Principal



Prof. Abha Chauhan, Dept of Sociology,
University of Jammu, President, Indian Sociological Society



भेदभाव के उन्मूलन के लिए समावेशी नीतियां अनिवार्य : प्रो. आभा चौहान

माई सिटी रिपोर्टर

चंडीगढ़। भेदभाव के उन्मूलन के लिए समावेशी नीतियां अनिवार्य हैं। एक शांतिपूर्ण समाज और प्रगतिशील राष्ट्र का लक्ष्य केवल दूसरों की पृष्ठभूमि को आपसी समझ और दूसरों की संस्कृति को सामंजस्यपूर्ण रूप से स्वीकार करने से ही प्राप्त किया जा सकता है। यह बात जम्मू

यूनिवर्सिटी के समाजशास्त्र विभाग की प्रो. आभा चौहान ने शनिवार को सेक्टर-36 स्थित एमसीएम डीएवी कॉलेज में आयोजित कार्यशाला में बतौर मुख्य वक्ता कही।

उन्होंने कार्यशाला में 'विविधता के प्रति संवेदीकरण' विषय पर विचार रखे। यह कार्यक्रम कॉलेज की फॉरेन स्टूडेंट सेल और ईक्वल ऑपॉर्च्युनिटी सेल ने आयोजित

जम्मू यूनिवर्सिटी के समाजशास्त्र विभाग की प्रोफेसर ने एमसीएम में हुए कार्यशाला में रखे विचार

किया। कार्यशाला में 145 से अधिक छात्रों और संकाय सदस्यों ने हिस्सा लिया। प्राचार्य डॉ. निशा भार्गव ने बेहतर समाज के लिए रूढ़िवादी सोच को बेड़ियों को तोड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया।

विविधता के प्रति संवेदीकरण पर कार्यशाला का आयोजन

चंडीगढ़, 16 अप्रैल (राम सिंह बरह) : आईक्यूएसी के तत्वावधान में मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर वुमैन, चंडीगढ़ के फॉरेन स्टूडेंट्स सेल और इक्वल ऑपॉर्च्युनिटी सेल ने 'डाइवर्सिटी सेंसिटाइजेशन इन्फ्यू एंड बेनेफिट' पर ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। जम्मू विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग से प्रो. आभा चौहान, भारतीय समाजशास्त्रीय संस्थापक के लिए प्रमुख वक्ता रहीं। कार्यशाला में 145 से अधिक छात्रों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया। उन्होंने विविधता संवेदीकरण में विभिन्न भूतों और चुनौतियों पर प्रकाश डाला, प्रो. चौहान ने बताया कि भारत जैसे देश में विविधता का मुद्दा अलग-अलग अर्थ लेता है। दूसरों की संस्कृति और जीवन शैली के प्रति प्रदान करने में सतर्क रहते हैं। उन्होंने विषय रूप से निष्कर्ष, छात्रों और

जोर देते हुए, प्रो. चौहान ने कहा कि भेदभाव के उन्मूलन के लिए समावेशी नीतियां अनिवार्य हैं। उन्होंने कहा कि एक शांतिपूर्ण समाज और एक प्रगतिशील राष्ट्र का लक्ष्य केवल दूसरों की पृष्ठभूमि को आपसी समझ और दूसरों की संस्कृति को सामंजस्यपूर्ण रूप से स्वीकार करने से ही प्राप्त किया जा सकता है। इस तथ्य को और इशारा करते हुए कि विविधता के प्रति असंवेदनशीलता के कारण होने वाली हिंसा से आर्थिक असमानताएं बढ़ती हैं, नैतिकी घटती है और पलायन होता है, प्रो. चौहान ने कहा कि एकलक्षण और विक्रान्ताज्ञान समाज को मजबूती प्रदान करने में सतर्क रहते हैं। उन्होंने विशेष रूप से निष्कर्ष, छात्रों और

शोधकर्ताओं में विविधता के आधार पर प्रचलित भेदभाव को खत्म करने और छत्र संरक्षण को एक समान और सांकेतिक बनाने के लिए मेटानैरेटिव कार्य पर जोर दिया। प्रतिभागियों ने कार्यशाला को बेहद जानकारीपूर्ण पाया। विविधता के प्रति अपने और दूसरों के लिए प्रेस महत्त्व किया। प्राचार्य डॉ. निशा भार्गव ने एक बेहतर समाज के लिए रूढ़िवादी सोच को बेड़ियों को तोड़ने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अहिंसक है और हमें प्रत्येक व्यक्ति के व्यक्तिगत का सम्मान और सराहना करने का प्रयास करना चाहिए और एक शांतिपूर्ण और समृद्ध समाज के लिए एक-दूसरे के साथ सदा से रहना चाहिए।



मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर वुमैन, चंडीगढ़ ने किया

विविधता के प्रति संवेदीकरण पर किया कार्यशाला का आयोजन

चंडीगढ़, 16 अप्रैल (रश्मि हंस): आई.क्यू.ए.सी. के तत्वावधान में मेहर चंद महाजन डी.ए.वी. कॉलेज फॉर वूमैन चंडीगढ़ के फॉरेन स्टूडेंट्स सेल और इंकल ओपेराच्युनिटी सेल ने 'डायवर्सिटी सेंसिटाइजेशन इश्यूज एंड चैलेंज' पर ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में जम्मू विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग से प्रो. आभा चौहान, भारतीय समाजशास्त्रीय सोसायटी की अध्यक्ष प्रमुख वक्ता रहीं। कार्यशाला में 145 से अधिक छात्रों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया। उन्होंने विविधता संवेदीकरण में विभिन्न मुद्दों और चुनौतियों पर प्रकाश डाला।

प्रो. चौहान ने बताया कि भारत जैसे देश में विविधता का मुद्दा अलग-अलग अर्थ लेता है। दूसरों की संस्कृति और जीवन शैली के प्रति सम्मान और सहिष्णुता के अभ्यास पर जोर देते हुए प्रो. चौहान ने कहा कि भेदभाव के उन्मूलन के लिए समावेशी नीतियाँ अनिवार्य हैं। इस तथ्य की ओर इशारा करते हुए कि विविधता के प्रति असंवेदनशीलता के कारण होने वाली हिंसा से आर्थिक असमानताएँ बढ़ती हैं, नौकरी छूटती है और पलायन होता है। प्रिंसिपल डॉ. निशा भार्गव ने एक बेहतर समाज के लिए रूढ़िवादी सोच की बेड़ियों को तोड़ने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

एमसीएम ने विविधता के प्रति संवेदीकरण पर कार्यशाला का आयोजन किया

चंडीगढ़ (जगमार्ग न्यूज)। आईव्यूएसी के तत्वावधान में मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर वूमैन, के फॉरेन स्टूडेंट्स सेल और इंकल ओपेराच्युनिटी सेल ने 'डायवर्सिटी सेंसिटाइजेशन: इश्यूज एंड चैलेंज' पर ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। जम्मू विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग से प्रो. आभा चौहान, भारतीय समाजशास्त्रीय सोसायटी की अध्यक्ष, इस ज्ञानवर्धक कार्यशाला के लिए प्रमुख वक्ता रही। कार्यशाला में 145 से अधिक छात्रों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया। उन्होंने विविधता संवेदीकरण में विभिन्न मुद्दों और चुनौतियों पर प्रकाश डाला, प्रो. चौहान ने बताया कि भारत जैसे देश में विविधता का मुद्दा अलग-अलग अर्थ लेता है। दूसरों की संस्कृति और जीवन शैली के प्रति सम्मान और सहिष्णुता के अभ्यास पर जोर देते हुए, प्रो. चौहान ने कहा कि भेदभाव के उन्मूलन के लिए समावेशी नीतियाँ अनिवार्य हैं। उन्होंने कहा कि एक शांतिपूर्ण समाज और एक प्रगतिशील राष्ट्र का लक्ष्य केवल दूसरों की पृष्ठभूमि की आपसी समझ और दूसरों की संस्कृति को सामंजस्यपूर्ण रूप से स्वीकार करने से ही प्राप्त किया जा सकता है। इस तथ्य की ओर इशारा करते हुए कि विविधता के प्रति असंवेदनशीलता के कारण होने वाली हिंसा से आर्थिक असमानताएँ बढ़ती हैं, नौकरी छूटती है और पलायन होता है, प्रो. चौहान ने कहा कि एकीकरण और सिंक्रनाइजेशन समाज को मजबूती प्रदान करने में मदद करते हैं। उन्होंने विशेष रूप से शिक्षकों, छात्रों और शोधकर्ताओं में विविधता के आधार पर प्रचलित भेदभाव को खत्म करने और हमारे समाज को एक समान और सार्वभौमिक बनाने के लिए मेटानेरेटिव कार्य पर जोर दिया। प्रतिभागियों ने कार्यशाला को बेहद ज्ञानवर्धक पाया। विविधता के प्रति अपने और दूसरों के दृष्टिकोण को बदलने के लिए प्रेरित महसूस किया। प्राचार्या डॉ. निशा भार्गव ने एक बेहतर समाज के लिए रूढ़िवादी सोच की बेड़ियों को तोड़ने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अद्वितीय है और हमें प्रत्येक व्यक्ति के व्यक्तित्व का सम्मान और सराहना करने का प्रयास करना चाहिए, और एक शांतिपूर्ण और समृद्ध समाज के लिए एक दूसरे के साथ सद्भाव से रहना चाहिए।

Activity 3: An Awareness lecture on "Gender Sensitization"

An Awareness lecture on " Gender Sensitization" was organised by Equal Opportunity Cell in collaboration with NSS special 7 days camp on 25th March 2022. The Resource person was Dr Bindu Dogra , Assistant Professor, PG Department of Sociology, Mehr Chand Mahajan DAV college for Women, Chandigarh. The session focused on the prevalent gender stereotypes in the society and how these are restricting the empowerment of women in the society, despite various constitutional, legal provision, programmes and policies initiated by the government. The speaker also elaborated the concept of women empowerment and the various dimension and parameters associated with it. The speaker suggested the ways to change the stereotypical mind set for attaining the goals of effective women empowerment in the country.





Activity 4: An online interactive session on Female Health and Wellness

The Equal Opportunity Cell and the Swachta Committee (Commerce) of the college organized an online interactive session on Female Health and Wellness on 24th May, 2022. The resource person for the session was Dr. Ananya Kumar, Faculty, Department of Pharmacology, AIMS, Mohali (Punjab). The session had 118 participants and started with a discussion between the resource person and the students on the meaning and importance of health with special reference to Women. Talking about the effect of traditions, social norms and unequal power relationships between men and women, Dr Ananya highlighted the influence of

gender on health. She covered various aspects of women's health in details including menstrual health, breast cancer, birth control and mental health. Mental health being one of the most important elements in overall well being, various mental health issues like anxiety of menarche, relationship anxieties and depression were discussed in detail. Towards the end of the session, Dr Ananya made the students aware about the eight dimensions of wellness i.e. social, emotional, spiritual, intellectual, physical, environmental, financial, and occupational. The role played by overall wellness in maintaining good health was the key take away for the students. The session ended by students clarifying their doubts and problems with the resource person.



Chandigarh, 06.07.22-The Equal Opportunity Cell of Mehr Chand Mahajan DAV College for Women, Chandigarh, under the aegis of Swachhta Committee (Commerce), organised an online interactive session on Female Health and Wellness. The resource person for the session was Dr. Ananya Kumar, Faculty, Department of Pharmacology, AIMS, Mohali. Dr. Ananya covered various aspects of women's health in detail including menstrual health, breast cancer, birth control and mental health. Various mental health issues like anxiety of menarche, relationship anxieties and depression were also discussed in detail. Dr. Ananya made the students aware about the eight dimensions of wellness i.e. social, emotional, spiritual, intellectual, physical, environmental, financial, and occupational. The session had 118 participants. In another event, the PG Department of Economics and Swachhta Committee (Arts) organised an expert lecture on 'Economic Indigenous Techniques in Waste Management' to raise awareness about the importance of waste management. The resource person, Dr. Sandeep Kaur, Assistant Professor, Department of Food Science of the college, highlighted the benefits of circular economy in waste management. Dr. Kaur discussed the latest case studies of innovations in waste management including the innovations of Plastic Man of India Dr. Rajagopalan Vasudevan, Recycle Man of India Binish Desai, etc. She also elaborated the waste management practice in the college wherein dual waste management system has been adopted to use the mess waste in order to produce biogas and compost. Principal Dr. Nisha Bhargava lauded the endeavours of the organising teams for sensitising the stakeholders about the important aspects of female health and waste management. She added that such initiatives help in widening the horizons of the students and empower them to deal with various challenges.

MCM holds session on Female Health and lecture on Waste Management

The Anus Sandesh Times Network

Chandigarh : The Equal Opportunity Cell of Mehr Chand Mahajan DAV College for Women, Chandigarh, under the aegis of Swachhta Committee (Commerce), organised an online interactive session on Female Health and Wellness. The resource person for the session was Dr. Ananya Kumar, Faculty, Department of Pharmacology, AIMS, Mohali. Dr. Ananya covered various aspects of women's health in detail including menstrual health, breast cancer, birth control and mental health. Various mental health issues like anxiety of menarche, relationship anxieties and depression were also discussed in detail. Dr. Ananya made the students aware about the eight dimensions of wellness i.e. social, emotional, spiritual, intellectual, physical, environmental, financial, and occupational. The session had 118 participants. In another event, the PG Department of Economics and Swachhta Committee (Arts) organised an expert lecture on 'Economic Indigenous Techniques in Waste Management' to raise awareness about the importance of waste management. The resource person, Dr. Sandeep Kaur, Assistant Professor, Department of Food Science of the college, highlighted the benefits of circular economy in waste management. Dr. Kaur discussed the latest case studies of innovations in waste management including the innovations of Plastic Man of India Dr. Rajagopalan Vasudevan, Recycle Man of India Binish Desai, etc. She also elaborated the waste management practice in the college wherein dual waste management system has been adopted to use the mess waste in order to produce biogas and compost. Principal Dr. Nisha Bhargava lauded the endeavours of the organising teams for sensitising the stakeholders about the important aspects of female health and waste management. She added that such initiatives help in widening the horizons of the students and empower them to deal with various challenges.

मासिक धर्म, स्तन कैंसर के प्रति किया जागरूक

माई सिटी रिपोर्टर

चंडीगढ़। सेक्टर-36 स्थित एमसीएम डीएवी कॉलेज ने महिला स्वास्थ्य और अपशिष्ट प्रबंधन पर व्याख्यान करवाया। कार्यक्रम स्वच्छता समिति के तत्वावधान में आयोजित किया गया। इसमें 118 प्रतिभागी शामिल हुए।

सत्र में एम्स मोहाली के फार्माकोलॉजी विभाग की संकाय सदस्य डॉ. अनन्या कुमार मुख्य वक्ता रहे। डॉ. अनन्या ने मासिक धर्म स्वास्थ्य, स्तन कैंसर, जन्म नियंत्रण और मानसिक स्वास्थ्य पर चर्चा की। इस दौरान विभिन्न मानसिक स्वास्थ्य



एमसीएम में व्याख्यान में हिस्सा लेते प्रतिभागी। अमर उजाला

मुद्दों जैसे रिश्ते की चिंता और अवसाद वेलनेस के आठ आयामों सामाजिक, के बारे में जानकारी दी और छात्राओं से भावनात्मक, आध्यात्मिक, बौद्धिक, शारीरिक, पर्यावरणीय, वित्तीय और चर्चा की। डॉ. अनन्या ने छात्राओं को

व्यावसायिक से अवगत कराया गया। दूसरे व्याख्यान में खाद्य विज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. संदीप कौर ने बतौर मुख्य वक्ता कचरा प्रबंधन में सर्कुलर इकोनॉमी के लाभों की जानकारी दी।

डॉ. कौर ने प्लास्टिक मैन ऑफ इंडिया डॉ. राजगोपालन वासुदेवन के रिसाइकल मैन विनीश देसाई, अपशिष्ट प्रबंधन में नवाचारों के नवीनतम केस स्टडीज पर चर्चा की। प्राचार्य डॉ. निशा भार्गव ने महिला स्वास्थ्य और अपशिष्ट प्रबंधन के महत्वपूर्ण पहलुओं से अवगत करवाने के लिए आयोजनकर्ता टीमों के प्रयासों की सराहना की।

महिला स्वास्थ्य पर व्याख्यान का आयोजन

चंडीगढ़, 6 जुलाई (ट्रिब्यून)

स्वच्छता समिति (वाणिज्य) के तत्वावधान में मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर विमेन के समान अवसर प्रकोष्ठ ने महिला स्वास्थ्य और कल्याण पर एक ऑनलाइन इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन किया। सत्र के लिए फार्माकोलॉजी विभाग, एम्स मोहाली की डॉ. अनन्या कुमार बतौर मुख्य वक्ता कार्यक्रम में शामिल हुईं। डॉ.

अनन्या ने मासिक धर्म स्वास्थ्य, स्तन कैंसर, जन्म नियंत्रण और मानसिक स्वास्थ्य सहित महिलाओं के स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। विभिन्न मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों जैसे मेनार्कि की चिंता, अवसाद पर भी विस्तार से चर्चा की गई। डॉ. अनन्या ने छात्राओं को वेलनेस के 8 आयामों से अवगत कराया। एक अन्य कार्यक्रम में, अर्थशास्त्र और स्वच्छता समिति (कला) के पीजी

विभाग ने अपशिष्ट प्रबंधन के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 'अपशिष्ट प्रबंधन में आर्थिक स्वदेशी तकनीक' पर व्याख्यान का आयोजन किया।

कॉलेज के खाद्य विज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. संदीप कौर ने बतौर मुख्य वक्ता कचरा प्रबंधन में सर्कुलर इकोनॉमी के लाभों पर प्रकाश डाला। प्रधानाचार्या डॉ. निशा भार्गव ने आयोजनकर्ता टीमों के प्रयास की सराहना की।